अन्य अतिरिक्त सामान के साथ बेचा गया था, जो बाद में निपटान के लिए प्राप्त हुआ था;

(ग) इस सामान को बेच दिया गया था क्योंकि मांग-कर्ता विभाग को इसकी आवश्यकता नहीं थी ।

बेरोजगार कृषि स्नातक

7585. **श्री मूलचन्द डागा :** क्या **श्रम और पुनर्वास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि ऐसे कितने कृषि स्नातक बेरोजगार हैं जिन्होंने नौकरी के लिये अपना नाम दर्ज करा रखा है तथा वे लोग कितने समय से बेरोजगार हैं और इनमें से गत तीन वर्षों के अन्दर कितने लोगों को रोजगार मिला है ?

श्रम और पुनर्वास मंत्रालय में उपमंत्री (श्री जी० वेंकटस्वामी) : 1970–72 अवधि के दौरान रोजगार कार्यालयों द्वारा नियुक्ति कराए गए और चालू रजिस्टर में दर्ज नौकरी वाले कृषि स्नातकों की संख्या

वर्ष	चालू रजिस्टर* वर्ष के अन्त	वर्ष के दौरान नियुक्त**
1970	7,153	738
1971	8,007	1,283
1972	9,903	1,309

*(1) व्यावसायिक वर्गों के अनुसार बेरोजगारी की अवधि सम्बन्धी जानकारी एकत्र नहीं की जा रही है

(2) रोजगार कार्यालयों में पंजीकृत नौकरी चाहने वाले सभी व्यक्ति अनिवार्यतः बेरोजगार नहीं है ।

**किसी वर्ष विशेष के दौरान की गई नियुक्तियां अनिवार्यतः उस वर्ष के दौरान हुए पंजीकृत उम्मीदवारों में से नहीं की जातीं ।

शिविरों में बंगला देश के विस्थापितों के लिए चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था

7586. **श्री फन्व वलचर्मा :** क्या **श्रम और पुनर्वास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1971 के युद्ध के दौरान भारत आये विस्थापितों के शिविरों में चिकित्सा सुविधा की क्या व्यवस्था है; इन शिविरों में अलग-अलग कितने अस्पताल तथा कितने औषधालय खोले गये ;

(ख) प्रत्येक शिविर में कितने मूल्य की औषधियां सप्लाई की गई; और

(ग) 1 मार्च, 1973 तक कितने विस्थापितों की मृत्यु हुई ?

श्रम और पुनर्वास मंत्री (श्री रघुनाथ रेड्डी) : (क) राज्य सरकारों तथा केन्द्रीय सरकार द्वारा विभिन्न राज्यों में स्थित शिविरों में बंगला देश से आए शरणार्थियों के लिए चिकित्सा सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था की गई थी । बंगला देश से आए शरणार्थियों के प्रयोग के लिए विभिन्न अस्पतालों तथा औषधालयों को जारी करने के लिए केन्द्रीय सरकार के मेडीकल स्टोर डिपुओं में दवाइयों का पर्याप्त स्टाक रखा गया था । इन शिविरों में हैजा, चेचक तथा फिथेरिया जैसे संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए टीके लगाने के विस्तृत कार्यक्रम के अन्तर्गत रोकथाम के तत्काल उपायों के लिए भी पर्याप्त व्यवस्था की गई थी । 30–11–1971 को शरणार्थियों के लिए निम्नलिखित विशेष अस्पताल तथा औषधालय खोले गए थे :—

(i) कार्य कर रही चिकित्सा यूनिटें (शिविरों में) 700

(ii) कार्य कर रहे संप्रेषण अस्पताल (वर्तमान) तथा नए) 50

(ख) सप्लाई की गई दवाइयों के मूल्य का शिवर-वार विवरण उपलब्ध नहीं है । फिर भी बंगला देश से आए विस्थापित व्यक्तियों की चिकित्सा देखरेख के लिए चिकित्सा स्टोर संगठन के माध्यम से खरीदी गई दवाइयों तथा साज-सामान की कुल लागत 2.40 करोड़ रुपए बनती है । इसके अलावा शरणार्थियों के प्रयोग के लिए विश्व स्वास्थय संगठन तथा मित्र देशों के दिव पार्श्विक माध्यम से भी 1.60 करोड़ रुपये लागत की दवाइयां तथा साज-सामान प्राप्त हुए है

(ग) उन शरणार्थियों के विवरण, जो 1 मार्च, 1973 तक विभिन्न बीमारियों से मर हैं, उपलब्ध नहीं हैं । फिर भी 30-11-1971 तक हैजा, चेचक तथा डिफथेरिया जैसे पहचाने जाने वाले रोगों में ग्रस्त तथा उनसे मरने वालों की संख्या नीचे दी गई है ।

रोग ग्रस्त	51,176
देहांत	6,349

Provision for Out-of-Turn Allotment of Scooters to Government Employees

7587. SHRI SUKHDEO PRASAD VERMA: Will the Minister of HEAVY INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether there is a provision for out-of-turn allotment of scooters and cars to Government employees from Government quota;

(b) if so, the number of such allotment made during the year 1972, category-wise; and

(c) the reasons for the same?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HEAVY INDUSTRY (SHRI SIDDHESHWAR PRASAD): (a) There are no provisions with regard to operation of reserved quotas.

(b) The number of such allotments made in 1972 is as under:—

Cars

Fiat (Premier President)	43	Ambassador	Nil

Scooters

Bajaj .	59	Lambretta	5

(c) The principal reasons for out-of-turn allotment are exigencies of public duties and unmaintenability of the vehicles due to cost of repairs.

Industrial Training Institutes imparting training upto Craftsman level

7588. SHRI SUKHDEO PRASAD VERMA: Will the Minister of LABOUR AND REHABILITATION be pleased to state:

(a) the total number of Industrial Training Institutions for imparting training upto the craftsman level in the country as on 31st December, 1972, State-wise; and

(b) the number of seats in each Centre, trade-wise?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION (SHRI G. VENKATSWAMY): (a) A statement containing the required information is attached.

(b) There are 357 Industrial Training Institutes with seating capacity of 1,43,215 in 32 Engineering trades and 12,424 seats in 22 non-engineering trades. The detailed requisite information is under compilation and will be placed on the Table of the House shortly.

Statement

Statement showing the number of Industrial Training Institutes as on 31-12-1972 state-wise.

1.	Andhra Pradesh	21
2.	Assam	8.
3.	Bihar .	29
4.	Gujarat	18
5.	Haryana	17